Letter - 8/6/1990

जनमुक्ति संघर्ष वाहिनी (जसवा)

राष्ट्रीय कार्यालय: 12, राजेन्द्र नगर, पटना - 800 006.

(राष्ट्रीय परिषद, 30-31 मई 1990 की रिपोर्ट)

परिपत्रांक: 7/90 दिनांक:7.6.90.

प्रिय साथी,

30-31 मई 1990 को लेडी स्टीफेन्सन हॉल, पटना में जसवा की राष्ट्रीय परिषद की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में परिषद के 13 सदस्यों के अलावा 7 आमंत्रित सदस्य शामिल हुए। परिषद में निम्नलिखित साथी उपस्थित हुए :-

1. च0 अ0 प्रियदर्शी, 2. सुशील कुमार, 3. विश्वनाथ बागी, 4. अमर, 5. प्रथम, 6. कंचन, 7. बलराम, 8. भूपेन्द्र कु0, (सभी बिहार के) 9. जयंत दीवाण, 10. कुंजबिहारी (दोनों महाराष्ट्र से), 11. क्षेत्रमोहन (उड़ीसा), 12. कांतीलाल कराणी (आं0 प्र0), 13. इश्वर चंद्र तथा 14. ज्ञानेन्द्र (दोनों उ0 प्र0 से)

आमंत्रित सदस्य-(1) पुतुल (2) आभा (दोनों उ0 प्र0) तथा (3) उमेशचंद्र (4) सुशील (5) मदन (6) देवकुमार व (7) पंचदेव (सभी बिहार)

बैठक में निम्नलिखित मुद्दों पर चर्चा हुई और निर्णय लिये गये :-

(क) सांगठनिक रिपोर्ट :- बिहार जसवा की प्रांतीय समिति एवं प्रांतीय कार्यकारिणी का गठन धनबाद में । अप्रील को एकदिवसीय सम्मेलन में सम्पन्न हुआ। विश्वनाथ बागी को बिहार का संयोजक चुना गया। सदस्यता अभियान जारी है।

महाराष्ट्र : जसवा की प्रांतीय इकाई के गठन हेतु खानदेश और विदर्भ का दौरा साथियों ने किया है। जून में जसवा की प्रांतीय बैठक का आयोजन किया गया है।

उड़ीसा : काला हांडी, संबलपुर, और मयूरभंज जिले में सदस्य हैं। अभी तक प्रांतीय स्तर पर गठन का कार्य पूरा नहीं हो सका है। जुलाई माह में व्यापक दौरे कार्यक्रम तय हुआ है।

उ0 प्र0 : उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद, आगरा उन्नाव गोरखपुर और गाजीपुर, जिलों में सम्पर्क किया गया है। प्रांतीय स्तर पर बैठक करने की योजना है। सदस्यता अभियान चल रहा है।

गुजरात, दिल्ली एवं गोवा से साथी उपस्थित न हो सके। इसका कारण ताजा स्थिति की जानकारी परिषद को नहीं मिल पायी।

(ख) मूल्यांकन :- बम्बई सम्मेलन के बाद से अभी तक की कार्यवाही का विस्तृत मूल्यांकन किया गया। कार्यालय, अर्थ, सम्पर्क अभियान, कार्यक्रम आदि की कमियों पर साथियों का ध्यान आकृष्ट हुआ। एक निर्दलीय संगठन के रूप में जसवा को स्थापित करने के लिए विभिन्न सुझाव आये।

(ग) नयी सदस्यता : परिषद में कुछ साथियों को कार्यकारिणी में आमंत्रित किया था जिन्हें परिषद की सदस्यता प्रदान की जानी थी। उपस्थित आमंत्रित साथियों में से निम्नलिखित को परिषद की सदस्यता प्रदान की गयी-(1) उमेश, (2) मदन, (3) पंचदेव, (4) देव कु0, (बिहार) (5) आभा (6) पुतुल (उ0 प्र0)

(घ) संयोजक का चुनाव : साथी च0 अ0, प्रियदर्शी को राष्ट्रीय संयोजक चुना गया।

(च) कार्यकारिणी : कार्यकारिणी को सक्षम बनाने पर विस्तृत चर्चा के बाद पुरानी कार्यकारिणी में और सदस्यों को जोड़ा गया। साथी कंचन ने कार्यकारिणी में कार्य कर पाने में असमर्थता जाहिर करते हुए मुक्त होने की अपील की। इसतरह जसवा की नयी राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन हुआ जिसके सदस्य हुए -(1) च0 अ0 प्रियदर्शी, (संयोजक) (2) सुशील कु0, (3) अमर, (4) जयंत दिवाण, (5) ज्ञानेन्द्र, (6) क्षेत्रमोहन,

{7} निरंजन विद्रोही {8} अम्बरीश मेहता, {9} आभा ।

{5} जनउम्मीदवार चुनाव और जसवा की राजनीतिक भूमिका : राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने जसवा के स्थापना सम्मेलन द्वारा पारित नीति वक्तव्य के आलोक में इस परिषद में इस विषय पर राष्ट्रीय परिषद में मसविदा {ड्राफ्ट} पेश करना तय किया था। कार्यकारिणी की ओर से सुशील कु0 ने ड्राफ्ट पेश किया । संसदीय राजनीति में कारगर हस्तक्षेप के तरीकों {मुख्य रूप से चुनाव में भूमिका} पर यह ड्राफ्ट केन्द्रित था । सभी साथियों ने विस्तार से अपनी बात रखी । अंत में यह तय किया गया कि इस विषय पर 3 दिन का राष्ट्रीय सहचिंतन शिविर आयोजित किया जायेगा । उस शिविर के निष्कर्षों के आधार पर अगली राष्ट्रीय परिषद में फैसला लिया जायेगा ।

इस विषय पर चर्चा में जसवा परिषद के साथियों के अलावे युवक क्रांति दल {महाराष्ट्र} के साथी अजीत सरदार, समता संगठन {उडीसा} के साथी लिंगराज तथा गंधमार्दन सुरक्षा युवा परिषद {उड़ीसा} के साथ प्रदीप पुरोहित एवं भवानी शंकर ने भी भाग लिया ।

इस विषय के अलावे राष्ट्र निर्माण की अवधारणा और संगठन का ढांचा विषयों पर भी मसविदा पेश होना था । लेकिन किसी कारणवश ड्राफ्ट तैयार नहीं हो पाने के कारण इन विषयों पर चर्चा नहीं हो सकी ।

परिषद के बाद और 2 जून को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक हुई। कार्यकारिणी द्वारा लिये गये निर्णय :-

{1} कार्यालय का जिम्मा कार्यकारिणी सदस्य सुशील कु0 को होगा । इस नाते वो कार्यालय से संगठन के प्रवक्ता होंगे । {2} संसदीय राजनीति में भागीदारी पर चर्चा की संकलित रिपोर्ट साथी सुशील तैयार करके सहचिंतन शिविर में पेश करेंगे । प्रियदर्शी इस विषय पर अलग से ड्राफ्ट पेश करेंगे । अन्य साथी भी इस विषय पर पर्चा तैयार करके कार्यालय को भेजें । {3} सहचिंतन शिविर इसी वर्ष बड़े दिन की छुट्टी {दिसम्बर अंत} में बोध गया में होगा । यह 5 दिनों का होगा । इसमें शामिल होने वालों की सूचि राज्यों में तय करके राष्ट्रीय कार्यालय को भेजी जायेगी । {4} राज्यों में इकाईयों का गठन : जुलाई 90 तक सदस्यता अभियान का दूसरा दौर चलेगा । इकाई गठन के काम के लिए साथी पंचन-महाराष्ट्र और साथी सुशील-उड़ीसा जायेंगे । जिन जिलों में 5-10 साथी जुलाई अंत तक सदस्य बनेंगे, वहां अगस्त माह में राष्ट्रीय संयोजक का दौरा होगा। इसकी सूचना राष्ट्रीय कार्यालय को भेजा जाय जिसके आधार पर राष्ट्रीय संयोजक के दौरे का रूट-चार्ट तैयार हो सके । {5} जनान्दोलन समन्वय समिति {जसस} का राष्ट्रीय सम्मेलन अब अक्टूबर माह में पटने में होगा । इसमें जसवा और छात्र-युवा संघर्ष वाहिनी के 50-50 साथी शामिल होंगे । {6} जसस घोषणापत्र के लिए राजगीर में 23 से 26 जुलाई तक शिविर होगा। जसवा की तरफ से कार्यकारिणी के सभी सदस्यों के अलावा निम्नलिखित साथी भी राजगीर शिविर में भाग लेंगे-1. तृप्ति 2. पुतुल 3. कंचन 4. मंथन 5. विश्वनाथ बागी 6. भीमराव 7. कुंजबिहारी 8. निर्मल 9. कारू । इसका आमंत्रण अलग से जा रहा है। {7} कार्यक्रम : बेरोजगारी पर राष्ट्रीय स्तर पर एक व्यापक आंदोलन पैदा करने की कोशिश की जायेगी। इसके लिए जसवा की सभी इकाईयाँ गांवों में बेरोजगारी का व्यापक सर्वेक्षण चलायेगी । इसके लिए सर्वेक्षण फार्म राष्ट्रीय कार्यालय से भेजा जायेगा। {8} काश्मीर : काश्मीर की वर्तमान हालत पर कार्यकारिणी ने उपलब्ध साथियों के साथ व्यापक चर्चा की । ज्ञातव्य है कि काश्मीर की जनता से सीधे संवाद हेतु एक युवा अभियान दल इसी माह जाने वाला है, जिसमें जसवा की महत्त्वपूर्ण भागीदारी है । इस टीम की वापसी के बाद काश्मीर की वर्तमान स्थिति पर संगठन की अंतिम भूमिका तय की जायेगी। चर्चा में शामिल सभी साथियों ने सरकारी दमन नीति और वहां चुनाव जल्द नहीं कराये जाने का विरोध किया। भाजपा की काश्मीर नीति का देश भर में पर्दाफाश करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया ।

विशेष : परिषद का हर सदस्य कार्यालय से सम्पर्क बनाये रखें और अपने सम्पर्क के साथियों की सूचि पते सहित राष्ट्रीय कार्यालय को भेजें ।

नीति वक्तव्य का संक्षिप्त रूप {हिंदी} प्रेस में है । शीघ्र ही सदस्यता फार्म के साथ इसे हर राज्य में भेज दिया जायेगा ।

राष्ट्रीय परिषद की अगली बैठक 1991 में होगी तथा राष्ट्रीय कार्यकारिणी की अगली बैठक जनआन्दोलन समन्वय समिति के शिविर के समय राजगीर, बिहार में होगी।

राजगीर शिविर में भाग लेने वाले साथि सीधे पटना स्थित राष्ट्रीय कार्यालय पहूंचे ।

अभिवादनों के साथ

{सुशील कुमार}

सदस्य राष्ट्रीय कार्यकारिणी 8 जून 90